



5

भोपाल, शुक्रवार 10 फरवरी 2017

RNI-70052/1998

प्रधान संपादक : रविंद्र व्यास
संपादक : राजेश अग्निहोत्री

पेज-8, वर्ष -23, अंक -199, मूल्य 1 रु.

अंदाज बेबाक, खबर बेधड़क



6

उलेमा काउंसिल के बाद इमाम बुखारी ने की सपा से बगावत, बसपा को देंगे समर्थन

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली की जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने मायावती और उनकी पार्टी बहुजन समाज पार्टी को समर्थन देने का

उलेमा काउंसिल ने भी किया

बसपा समर्थन का ऐलान

बुखारी से पहले उलेमा काउंसिल भी



ऐलान किया है। बुखारी ने यूपी की बदहाली के लिए लिए समाजवादी पार्टी को दोषी बताया है। बुखारी ने अपने समर्थकों से सपा के खिलाफ वोट करने की अपील भी की है। बुखारी ने अखिलेश सरकार से पूछा है कि उन्होंने पांच साल में मुसलमानों का क्या दिया। बुखारी ने यूपी सरकार पर वादाखिलाफी के भी आरोप लगाए।



मायावती के समर्थन का ऐलान कर चुकी है। काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना आमिर रशदी ने बसपा महासचिव नसीमुद्दीन सिद्दीकी के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में बसपा को समर्थन देने का ऐलान किया। काउंसिल ने भी कहा है कि समाजवादी पार्टी ने अपने 5 साल के कार्यकाल में मुसलमानों के लिए बेहतर कोई काम नहीं किया है।

पिछले चुनाव में दिया था समर्थन

बता दें कि साल 2012 के चुनाव में शाही इमाम ने लखनऊ के एक पांच सितारा होटल में मुलायम सिंह यादव के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सपा को समर्थन देने का ऐलान किया था। इसके एवज में सपा ने इमाम के दामाद को विधान परिषद का अध्यक्ष भी बनाया था। इमाम बुखारी और उलेमा काउंसिल की खिलाफत का असर चुनाव पर पड़ेगा या नहीं ये चुनाव के बाद ही पता चलेगा। हालांकि राजनीतिक जानकारों का माने तो इसका कोई खास असर नहीं होगा।

उपहार कांड 20 साल बाद सुप्रीमकोर्ट ने गोपाल अंसल को सुनाई एक साल की सजा

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उपहार हादसे के पीड़ितों को बड़ा झटका देते हुए आरोपी गोपाल अंसल को एक साल की सजा सुनाई है। उसमें से उन्होंने 4 महीने की सजा पूरी कर ली है और उन्हें 6 महीने की जेल में गुजारने होंगे। जबकि सुशील अंसल ने पहले ही अपनी सजा पूरी कर ली है। अदालत ने गोपाल अंसल को 4 हफ्ते के अंदर सरेंजर करने के लिए कहा है। अदालत ने यह फैसला मामले को लेकर दायर उपहार कांड पीड़ित संघ की याचिका पर सुनवाई के दौरान लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में दोनों के ऊपर 30-30 करोड़ रुपए का जुर्माना बरकरार रखा है। याचिका पर सुनवाई करते हुए दो जजों जस्टिस रंजन गोगोई और जस्टिस कुरियन जोसफ ने यह फैसला बहुमत से लिया है, तीसरे जज जस्टिस आदर्श गोयल की राय हालांकि अलग रही।

बीएमसी चुनाव: 690 करोड़ की संपत्ति के मालिक पराग शाह सबसे अमीर उम्मीदवार

मुंबई (ए.)। बीएमसी चुनाव के घाटकोपर उम्मीदवार पराग शाह ने अपनी 690 करोड़ रुपए की संपत्ति की घोषणा की और इस साल के सबसे धनी उम्मीदवार बन गए हैं। 47 वर्षीय शाह पहली बार राजनीति में आए हैं लेकिन उनकी संपत्ति सबके आकर्षण का केंद्र बन रही है। उन्होंने अपने और पत्नी मानसी के नाम पर 670 करोड़ की चल संपत्ति की घोषणा की है। उन्होंने 20 करोड़ की अपनी अचल संपत्ति की भी घोषणा की जिसमें मुंबई और ठाणे के फ्लैट, महाराष्ट्र में कृषि की जमीन और अन्य जमीन शामिल हैं। मेहता का कंस्ट्रक्शन व डेवेलपर्स का बिजनेस चेन्नई और गुजरात में है।

पराग कहते हैं कि वह पिछले 15 साल से सामाजिक कार्य कर रहे हैं, कई सारे एनजीओ और ट्रस्ट से पहले से ही जुड़े हुए हैं, निःस्वार्थ सेवा कर रहे हैं और उनकी पहचान भी उनके इन्हीं सामाजिक कार्यों के कारण से ही है। पराग कहते हैं, एनजीओ और ट्रस्ट से साथ जुड़कर सीमित दायरे में सामाजिक कार्य कर सकता है, लेकिन



बड़े स्तर पर सामाजिक कार्य करने के लिए चुनाव मैदान में उतरना पड़ेगा। इसलिए चुनाव में उतर गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के लक्ष्य को पूरा करना है, बीएमसी को भ्रष्टाचार मुक्त करना है। बीएमसी में पारदर्शी कामकाज लाना है। इन्हीं इरादों को लेकर चुनाव मैदान में उतरा है। पराग के सामने सबसे दमदार उम्मीदवार कांग्रेस के प्रवीण छेड़ा हैं। बीजेपी के अरबपति के सामने छेड़ा 14 करोड़ 4 लाख 64 हजार रुपए के मालिक हैं। शाह वार्ड 132 से चुनाव लड़ रहे हैं जिसमें गरोडिया नगर, सोमैया कॉलेज, राजावाडी हॉस्पिटल व ओएनजीसी कालोनी एरिया है। शाह ने बताया कि धनवान उम्मीदवार होने से वह चकित नहीं हैं, साथ ही उन्होंने बताया कि यह संपत्ति उनके 22 वर्षों के कठिन परिश्रम का फल है। शाह ने कहा कि मैं पहली बार राजनीति में चुनाव लड़ रहा हूँ, पर राजनीति के लिए मैं नया नहीं हूँ। घाटकोपर में मेरी सामाजिक सक्रियता रही है और गुजराती व जैन समुदायों में मेरी गहरी पैठ है। उन्होंने कहा, मैं पारदर्शिता के एजेंडे पर काम करूंगा। मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ना चाहता हूँ।

प्रियंका 13 से, सोनिया 20 से यूपी में करेंगी चुनाव प्रचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के प्रचार अभियान को रफ्तार देने के लिए पार्टी की स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी 13 फरवरी से चुनावी मैदान में उतरेंगी। प्रियंका गांधी प्रदेश में ताबड़तोड़ लगातार छह दिन चुनावी रैली को संबोधित करेंगी। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी भी अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में 20 फरवरी को चुनाव प्रचार करेंगी। माना जा रहा है कि सोनिया गांधी एकमात्र रैली 20 फरवरी को संबोधित करेंगी। पहले खबर आ रही थी इस बार के चुनाव में सोनिया गांधी चुनाव प्रचार नहीं करेंगी, लेकिन खुद सोनिया गांधी ने आगे आकर साफ किया कि वह अपने संसदीय क्षेत्र में चुनाव प्रचार करेंगी। 14 फरवरी से शुरू होगा प्रियंका अभियान प्रियंका गांधी अमेठी और रायबरेली में चुनाव



प्रचार का अभियान 14 फरवरी से शुरू करेंगी। वह 13, 14, 15, 16, 17, 18 फरवरी को दोनों ही जिले में चुनाव प्रचार करेंगी और तमाम रैलियों को संबोधित करेंगी। हालांकि यह बात अभी साफ नहीं हो सकी है कि वह इस रैली के दौरान सपा के नेताओं के

गुवाहाटी: आईआईटी कैम्पस में यौन उत्पीड़न, ब्लॉयज हॉस्टल में बेहोश मिलती लड़कियां

गुवाहाटी (ए.)। आईआईटी गुवाहाटी के दो छात्रों को तीन लड़कियों को यौन उत्पीड़न के आरोप में पुलिस ने हिरासत में लिया है। तीनों लड़कियां दूसरे संस्थान की हैं। आईआईटी के ब्लॉयज हॉस्टल में उनके साथ यौन उत्पीड़न की वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस की जांच रिपोर्ट आने के बाद आईआईटी प्रशासन भी आरोपी छात्रों के खिलाफ कार्यवाही करेगा।

जानकारी के मुताबिक, 3 फरवरी की रात आईआईटी गुवाहाटी के कैम्पस में कल्चरल फेस्ट मनाया जा रहा था। तीनों लड़कियां फेस्ट में शामिल होने आई थीं। वह आरोपी छात्रों को पहले से जानती थीं, इसलिए उनके साथ हॉस्टल में पहुंचीं। पीड़ित लड़कियों का आरोप है कि छात्रों ने उन्हें नशीला पेय पिलाया। इसके बाद उनके साथ यौन उत्पीड़न किया गया। आईआईटी के प्रवक्ता ने बताया कि सिक्वोरिटी गार्ड ने अगली सुबह लड़कियों को हॉस्टल में बेहोशी की हालत में पाया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद लड़कियों ने इस बारे में मंगलवार को थाने में केस दर्ज कराया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी छात्रों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उनके खिलाफ जरूरी सबूत जुटाए जा रहे हैं।

एआईएडीएमके संकट: राज्यपाल से मिले पनीरसेल्वम और शशिकला

चेन्नई (ए.)। तमिलनाडु में चल रहे सियासी संकट के दौरान राज्यपाल राज्यपाल सी. विद्यासागर से गुरुवार को सीएम ओ.पनीरसेल्वम और एआईएडीएमके महासचिव वीके शशिकला ने मुलाकात की। मुलाकात के बाद सीएम ने बताया कि मैंने गर्वनर को राज्य राजनैतिक हालात से अवगत कराया और मैं चाहता हूँ कि धर्म की जीत हो। इधर अन्नाद्रमुक के एक नेता ई. मधुसूदन ने शशिकला का साथ छोड़ते हुए पनीरसेल्वम का साथ देने का फैसला किया है। वहीं पनीरसेल्वम ने कहा कि जयललिता के पोएस गार्डन आवास को स्मारक में तब्दील कर दिया जाना चाहिए। अभी इस घर में शशिकला रहती हैं।

शशिकला ने भी पेश किया

सरकार बनाने का दावा

अन्नाद्रमुक में जारी खींचतान के बीच पार्टी प्रमुख शशिकला ने राज्यपाल विद्यासागर राव से मुलाकात की। शशिकला अपने 10 वरिष्ठ मंत्रियों के साथ राज्यपाल से मिलने पहुंचीं और मुख्यमंत्री पद की दावेदारी पेश की। अन्नाद्रमुक ने यह जानकारी दी। इससे पहले वीके शशिकला ने जयललिता के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की और वहां सोलबंद लिफाफा रखा।

इतिहास बदलने जा रही राजस्थान सरकार, कहा...

महाराणा प्रताप ने जीता था हल्दीघाटी युद्ध

नई दिल्ली (ए.)। संजय लीला भंस्वाली की फिल्म पद्मावती को लेकर चल रहे विवाद से अलग राजस्थान सरकार का एक और फैसला विवाद में आ गया है। वसुंधरा राजे सरकार अब विश्वविद्यालय स्तर पर इतिहास के तथ्यों को बदलने जा रही है। राजस्थान सरकार के तीन मंत्रियों ने इतिहास में महत्वपूर्ण बदलावों का प्रस्ताव दिया है। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि राजपूत योद्धा महाराणा प्रताप ने हल्दीघाटी के युद्ध में अकबर की मुगल सेना को हराया था। इस युद्ध में अकबर की तरफ से नेतृत्व मान सिंह कर रहे थे। राजस्थान यूनिवर्सिटी में इस प्रस्ताव पर चर्चा हुई थी। मंगलवार को राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री ने यूनिवर्सिटी में हुई बैठक में इस बात की पैरवी की। वहीं बुधवार को शहरी विकास और आवास मंत्री राजपाल ने भी इस बात का समर्थन किया।



असलियत ये है कि इस युद्ध में राणा प्रताप की जीत हुई थी

पिछले सप्ताह यूनिवर्सिटी सिंडीकेट और बीजेपी विधायक मोहन लाल गुप्ता ने राजस्थान यूनिवर्सिटी के पाठ्यक्रम में इतिहास के बदलाव का प्रस्ताव दिया। इसमें कहा गया कि 1576 में हुए हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप विजेता रहे। कार्यकारी वाइस चांसलर राजेश्वर सिंह के मुताबिक इस प्रस्ताव को विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ स्टडीज को भेज दिया गया है। राजस्थान सरकार के मंत्री कालीचरण ने कहा कि राजस्थान

का इतिहास गौरवमयी है। आज की पीढ़ी को इसकी जानकारी दी जानी चाहिए। अकबर विदेशी आक्रमणकारी था। असलियत ये है कि इस युद्ध में राणा प्रताप की जीत हुई थी।

इतिहासकारों के मत भिन्न

हालांकि हल्दीघाटी युद्ध के संबंध में इतिहासकारों का अलग-अलग मत है। हल्दीघाटी का विनाशकारी युद्ध हल्दीघाटी के मोदान में 1576 में महाराणा प्रताप और अकबर की तरफ से मान सिंह के बीच लड़ा गया था। कुछ इतिहासकार मानते हैं कि युद्ध में किसी की विजय नहीं हुई थी।